हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 126 | प्रयागराज, बुधवार 10 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 1रुपया

सामूहिकता है भारत की असली ताकत : योगी

लखनऊ। जाति मजहब के आधार पर लोगों का विभाजन राष्ट्रहित में नही ,इससे भारत कमजोर होगा। यह उदगार व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की सामूहिकता को देश की ताकत करार देते हुए मंगलवार को कहा कि लोगों के जाति और मजहब के आधार पर बंटने से देश कमजोर होगा। मुख्यमंत्री ने नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के काकोरी इलाके में हुए 'ट्रेन एक्शन' की 96वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, भारत की ताकत उसकी सामूहिकता है। जब 135 करोड़ की आबादी एक साथ बोलती है, तब भारत सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में ही नहीं बल्कि लोकतंत्र की मां के रूप में भी दुनिया को प्रतिनिधित्व देते और उसका मार्गदर्शन करते हुए नजर आता है। जब हम जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बंटे होंगे तो यह विभाजन हमारी ताकत का विभाजन करेगा, भारत को कमजोर करेगा, विकास बाधित करेगा, अव्यवस्था, अराजकता सहित तमाम विकृतियों को जन्म देगा, जो एक बार फिर देश की स्वाधीनता के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। हमारा सबसे बड़ा संकल्प होना चाहिए कि हम भारत को किसी भी तरह से कमजोर नहीं होने देंगे। हम सबका सौभाग्य है कि 15 अगस्त 2022 को जब आजादी के 75 वर्ष पूरे होंगे, तब पूरा देश इस अमश्त महोत्सव का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री ने देश के सामने एक लक्ष्य रखा है कि हम अभी से अगले 25 वर्ष की व्यापक कार्ययोजना बनाकर देश के सामने रखें कि जब यह देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, उस समय हमें कैसा भारत चाहिए। पूरे भारत की एकता का संकल्प लेकर विकृतियों को दूर करते हुए हम एक साथ मिलकर काम करेंगे और प्रधानमंत्री के संकल्प के साथ जुड़कर उत्तर प्रदेश सरकार ने भी तय किया है कि इस राज्य को हम अगले पांच वर्षों के अंदर देश की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री ने काकोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के काकोरी क्षेत्र में देश की आजादी के लिए मर मिटने वाले क्रांतिकारियों ने ट्रेन से खजाने के रूप में ले जाए जा रहे 4,679 रुपये रेलगाड़ी रोककर ले लिए थे। उन्होंने कहा,पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतश्त्व में काकोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। उन्हें गोरखपुर जेल में रखा गया। अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को गोंडा, फैजाबाद और नैनी जेल में अलग–अलग स्थानों पर रखा गया।

वाराणसी में ताजिया जुलूस के दौरान हुआ बवाल, 6 लोग हुए घायल

वाराणसी। हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन व हुसैन की शहादत की याद में नवमी व दसवीं को ताजिया जुलूस निकाला जाता है। मोहर्रम की दसवीं की सुबह कर्बला में पहलाम किया जाता है। आज देश भर में मोहर्रम का पर्व मनाया जा रहा है। वाराणसीः हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन व हुसैन की शहादत की याद में नवमी व दसवीं को ताजिया जुलूस निकाला जाता है। मोहर्रम की दसवीं की सुबह कर्बला में पहलाम किया जाता है। आज देश भर में मोहर्रम का पर्व मनाया जा रहा है। वहीं, उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में ताजिया जुलूस के दौरान जमकर बवाल हुआ है। यहां ताजिया जुलूस के दौरान बवाल के बाद जमकर मारपीट हुई और धारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में 6 लोग घायल हैं। वहीं, बताया जा रहा है कि पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद है।

भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी मेरठ में गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में महिला के साथ अभद्रता करने के मामले में फरार आरोपी श्रीकांत त्यागी को पुलिस ने मंगलवार को मेरठ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि त्यागी के तीन साथियों को भी पकड़ा गया है। शुक्रवार शाम से फरार हुए त्यागी ने गौतम बुद्ध नगर जिले की एक अदालत में आत्मसमर्पण से संबंधित एक याचिका दायर की थी।

इस मामले में 10 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। गौरतलब है कि एक महिला ने नोएडा के सेक्टर–93बी में आवासीय सोसायटी में नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए श्रीकांत त्यागी द्वारा कुछ पेड़ लगाने पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद त्यागी ने महिला के साथ कथित तौर पर अभ्रद व्यवहार किया और उसे धक्का भी दिया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही त्यागी फरार था। श्रीकांत त्यागी खुद को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध बताता है, जबकि पार्टी ने उससे दूरी बनाए रखी है। मामले को लेकर विपक्षी दलों ने भी भाजपा पर निशाना साधा है।

महाराष्ट्रः शिंदे मंत्रिमंडल में 18 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 41 दिन बाद एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को अपने दो सदस्यीय मंत्रिमंडल का विस्तार किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल समेत 18 विधायकों ने दक्षिण मुंबई में राज भवन में कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। मंत्रिमंडल में किसी भी महिला को शामिल नहीं किया गया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या अब 20 हो गयी है, जो अधिकतम 43 सदस्यों की संख्या से आधी से भी कम है। शिंदे ने 30 जून को मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। राज्यपाल बी एस कोश्यारी ने मंत्रियों को पद की शपथ दिलायी। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होना था लेकिन 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। शपथ लेने वाले मंत्रियों में शिंदे गुट और भाजपा के नौ–नौ सदस्य शामिल हैं। भाजपा की ओर से मंत्रिमंडल में शामिल सदस्यों में राधाकृष्ण विखे पाटिल, सुधीर मुन्गंतीवार, चंद्रकांत पाटिल, विजयकुमार गावित, गिरीश महाजन, सुरेश खडे, रवींद्र चव्हाण, अतुल सावे और मंगलप्रभात लोढा शामिल हैं। शिंदे गुट से मंत्री पद की शपथ लेने वाले सदस्यों में गुलाबराव पाटिल, दादा भुसे, संजय राठौड़, संदीप भुमरे, उदय सामंत, तानाजी सावंत, अब्दुल सत्तार, दीपक केसरकर और शंभुराज देसाई शामिल हैं। शिंदे के एक सहायक ने बताया कि किसी राज्य मंत्री ने आज शपथ नहीं ली। बाद में फिर मंत्रिमंडल विस्तार होगा। भाजपा ने मुंबई से लोढा को शामिल किया है जबकि शिंदे गुट ने वहां से किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया। मुंबई महानगरपालिका के चुनाव इस साल होने हैं।

दिल्ली, पंजाब के बाद गोवा में भी 'आप को मिला राज्य पार्टी का दर्जा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को कहा कि फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में उसके प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर निर्वाचन आयोग से उसे गोवा में 'राज्य पार्टीश का दर्जा मिल गया है। अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी को दिल्ली और पंजाब में राज्य पार्टी का दर्जा पहले ही मिल चुका है, जहां वह सत्ता में है। निर्वाचन आयोग से मिले आधिकारिक पत्र का हवाला देते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा, 'दिल्ली और पंजाब के बाद 'आपश को अब गोवा में भी मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा मिल गया है।श उन्होंने कहा, 'अगर हमें एक और राज्य में यह दर्जा मिल गया, तो हमें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय पार्टी घोषित किया जाएगा। केजरीवाल द्वारा ट्विटर पर साझा किए गए निर्वाचन आयोग के एक पत्र के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर 'आप को गोवा में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता दे दी है। निर्वाचन आयोग के एक पत्र के अनुसार, 'गोवा विधानसभा, 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर पाया गया कि आम आदमी पार्टी गोवा में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता हासिल करने के लिए चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के पैरा–6ए में निर्धारित शर्तों को पूरा करती है। पार्टी वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा पंजाब राज्य में एक पंजीकृत मान्यता प्राप्त पार्टी है और 'झाड़ूश उसका आरक्षित चुनाव चिह्न है। केजरीवाल ने इस उपलब्धि पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और आप तथा उसकी विचारधारा में विश्वास जताने के लिए लोगों को शुक्रिया अदा किया। आप ने गोवा राज्य विधानसभा चुनाव में दो सीटें जीती थीं, जिसमें उसके पक्ष में कुल मत के 6.77 प्रतिशत वोट पड़े थे।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,372 नए मामले, छह लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,372 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमण से छह लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण दर बढ़कर 17.85 प्रतिशत हो गई है, जो 21 जनवरी के बाद से सर्वाधिक है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उक्त आंकड़ें सात अगस्त के हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को दैनिक स्वास्थ्य बुलेटिन जारी नहीं किया था। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण के 19,70,899 मामले सामने आ चुके हैं और इससे 26,336 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण की दर सात अगस्त को 17.85 प्रतिशत दर्ज की गई, जो 21 जनवरी के बाद से सर्वाधिक है। तब संक्रमण दर 18. 04 प्रतिशत दर्ज की गई थी। बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में अभी 7,484 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है।

भाजपा कुछ दिन और रही तो लोगों को गुलाम बना दिया जाएगा, छिन जायेगा वोट का भी अधिकार : अखिलेश

कन्नौज। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान पर हमला करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि अगर भाजपा ज्यादा ताकतवर हो गई, तो हो सकता है कि लोगों से उनका वोट का अधिकार भी छीन लिया जाए। यादव ने अगस्त क्रांति दिवस पर कन्नौज के झउवा गांव में एक कार्यक्रम में कहा, 'भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों के वोट तो ले लिए लेकिन उन्हें उनका हक नहीं दिया। आपका रोजगार भी छीना जा रहा है और संविधान पर भी हमला हो रहा है। ये लोग अगर ज्यादा ताकतवर हो गए, तो हो सकता है आपसे वोट का अधिकार भी छिन जाए। यह बात मजाक में मत लें।' उन्होंने मिसाल देते हुए कहा, 'आप भारत के आसपास देख लो, कुछ मुल्क हैं जहां पर वोट नहीं पड़ता है। सरकार स्थायी है। कुछ जगहों पर फौज देश के लोकतंत्र को चला रही है। पड़ोसी देश चीन में कोई चुनाव होता है क्या? रूस में कोई चुनाव होता है क्या? पाकिस्तान में फौज जिसे चाहती है उसे बैठा देती है। म्यामां और उसके आसपास के देशों में क्या कोई चुनाव होता है? इसलिए सावधान रहिए।'सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार को 'उद्योगपतियों की सरकारश करार देते हुए कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में व्यापार करने आई थी लेकिन बाद में अंग्रेजों ने ऐसा कानून पास किया कि यह कंपनी ही सरकार बन गई। उनका आरोप था कि आज भारत की संपत्तियों को भाजपा के लोग बेच रहे हैं और पूरा देश उद्योगपतियों को दे दिया है। यादव ने कहा कि अगर यह लोग कुछ दिन और रहे तो हमें और आप लोगों को गुलाम बना दिया जाएगा। यादव ने भाजपा पर अंग्रेजों की नीतियों पर चलने का आरोप लगाते हुए कहा, ष्सरकार समाजवादियों और मुसलमानों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है। देश की आजादी में मुसलमान भाइयों का बराबर का योगदान रहा है। अब भाजपा के लोग हमें –आपको बांट रहे हैं, कभी धर्म के नाम पर, कभी जाति के नाम पर। जब धर्म के नाम पर थक जाते हैं तो जाति के नाम पर बांटते हैं।' भाजपा के घर–घर तिरंगा अभियान पर तंज करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधा और कहा, ष्वे आज घर–घर तिरंगा पहुंचाना चाहते हैं जिस पार्टी (संघ) से यह पार्टी (भाजपा) चलती है उसने कभी भी भारत का झंडा नहीं लगाया। हमारे बुजुर्ग और गुरुजन जानते हैं। इतिहास उठा कर देखिए ये वही लोग हैं जो आज घर–घर तिरंगा लहराने चाहते हैं, जिन्होंने कभी तिरंगा का विरोध किया था। तिरंगा का विरोध करने वाले लोग आज तिरंगे के सहारे हमारे और आपके घर में पहुंचना चाहते हैं।'यादव ने केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का जिक्र करते हुए कहा, 'अभी तो फौज में अस्थायी व्यवस्था आई है कुछ दिनों बाद पुलिस और पीएसी में भी अस्थायी व्यवस्था हो जाएगी। कुछ दिन बाद ये भी आउटसोर्स हो जाएंगे। बाकी सरकारी नौकरियों में तो आउटसोर्सिंग इतनी आ ही चुकी है।

भाजपा के सहयोगी बनें रहेंगे, मोदी जैसा नेता मिलना नामुमकिन

नई दिल्ली। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (राजग) में उथल–पुथल के बीच, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को जोर दिया कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ रहेगी क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा दूसरा नेता मिलना नामुमकिन है। पारस ने अपनी पार्टी के संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद पीटीआई–भाषा से कहा, ष्हमारी पार्टी 100 प्रतिशत भाजपा के साथ है। बैठक में भाजपा को समर्थन देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक और दिग्गज दलित नेता रामविलास पासवान के नेतृत्व में 2014 में भाजपा के साथ गठबंधन करने का फैसला किया गया था और उनकी पार्टी उस फैसले पर कायम रहेगी। रामविलास पासवान के छोटे भाई पारस पासवान का यह निर्णय अहम है क्योंकि उन्होंने चिराग पासवान के नेतृत्व के खिलाफ लोजपा का विभाजन किया था और उन्हें (पारस को) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) का समर्थन प्राप्त था। कुमार 2020 के विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के चिराग पासवान के फैसले से नाखुश थे। पारस ने कहा, मोदी जैसा नेता मिलना नामुमकिन है। वह देश की जरूरत हैं। मैं जब तक राजनीति करूंगा, मैं राजग में रहूंगा।ष

दिल्ली में ट्रक चालक की हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के पुल प्रहलाद पुर इलाके में डकैती की कोशिश के दौरान 27 वर्षीय ट्रक चालक की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ एक किशोर को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि जब ट्रक चालक ने लूट का विरोध करने की कोशिश की तो उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि आरोपी उसका सामान भी लेकर भाग गए थे। उन्होंने कहा कि दो आरोपियों की पहचान कामरान (21) और जीतू (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना सात अगस्त की है जब ट्रक चालक जक्की मोहम्मद यहां आनंदमई मार्ग के पास निवश्त्त होने गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस दौरान चार लोगों ने मोहम्मद को पकड़ लिया और उसे चाकू मारकर मोबाइल फोन और बटुआ समेत अन्य चीजें लूट लीं। उन्होंने बताया कि उसे बेहोशी की हालत में मजीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि चालक और मश्तक के रिश्तेदार राशिद अली ने पुलिस को घटना के बारे में बताया क्योंकि वह गवाह था। उन्होंने कहा कि उसके बयान के आधार पर गोविंदपुरी पुलिस थाने में प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) राजेश देव ने कहा, ''एक गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी ओखला के पास एक इलाके में छिपे हुए हैं, एक टीम ने कामरान और किशोर को पकड़ लिया।'' पुलिस ने बताया कि कामरान ने खुलासा किया कि छह और सात अगस्त की दरमयानी रात को उसने अहसान, नाबालिग लड़के और बॉबी के साथ एक ट्रक चालक को लघु शंका करते देखा। अधिकारी ने कहा कि चारों ने उसे पकड़ लिया और उसका मोबाइल फोन और बटुआ भी छीन लिया, लेकिन जब चालक ने इसका विरोध किया, तो कामरान ने उस पर चाकू से तीन–चार बार हमला कर दिया। इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि बाद में पकड़ा गया जीतू चोरी और लूट के 15 से अधिक मामलों में शामिल रहा है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा

लखनऊ। यूपी के यमुना एक्सप्रेस–वे से भीषण सड़क हादसा सामने आया है। जहां पर देर रात गश्त कर रहे सीओ मांट की कार को पीछे से आ रहे एक ट्रक मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी की मौके पर ही सीओ के कार चालक की मौत हो गई। वहीं सीओ मांट नीलेश मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीओ मांट को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। बता दें कि हादसा यमुना एक्सप्रेस वे के कोतवाली सुरीर क्षेत्र में स्थित माइल स्टोन 90 का है। जहां देर रात गश्त कर रहे सीओ मांट की ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। जिसकी वजह से कार पलट गई। दरअसल जब ये हादसा हुवा तो सीओ यू टर्न ले रहे थे। उसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। वही मौके पर ही कार चालक विपिन कुमार निवासी जसराना की मौत हो गई और उनके साथ मौजूद सीओ मांट नीलेश गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने उपराष्ट्रपति नायडू और उनके उत्तराधिकारी धनखड़ की घर पर मेजबानी की

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को निवर्तमान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू तथा नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नयी दिल्ली स्थित अपने घर पर मेजबानी की। बिरला और धनखड़ ने मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं जिनमें उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। गौरतलब है कि वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है । धनखड़ 11 अगस्त को देश के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे । बिरला ने एक ट्वीट में मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू तथा नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का नयी दिल्ली स्थित निवास पर अभिनंदन किया। धनखड़ के कार्यभार संभालने पर लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी राजस्थान से होंगे। बिरला लोकसभा में कोटा संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सम्पादकीय

विलुप्त चीतों की वापसी

दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर चीता है, लेकिन बमुश्किल ही किसी ने चीते को अपनी आंखों से दौड़ते हुए देखा होगा, क्योंकि भारत में अब चीते बचे ही नहीं हैं। चीते 74 साल पहले ही हमारे देश से विलुप्त हो चुके थे और तब से यह जानवर भारत में सिर्फ किताबों में रह गया है। एशिया में फिलहाल सिर्फ ईरान में ही चीते पाये जाते हैं, लेकिन अब 74 साल बाद एक बार फिर से भारत में चीतों की वापसी हो रही है. भारत और अफ्रीकी देश नामीबिया ने हाल ही में इस संबंध में एक समझौता किया है। दुनियाभर में इस समय करीब सात हजार चीते ही बचे हैं और उनमें से आधे अकेले नामीबिया में पाये जाते हैं। नामीबिया ने भारत को मुफ्त में आठ चीतों को देने पर रजामंदी दे दी है। भारत को इन चीतों को लाने का, यानी सिर्फ आवागमन का खर्च उठाना है। इन चीतों को भारत में एक विशेष जहाज से लाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि यह चीतों का पहला ऐसा हस्तांतरण है, जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप के बीच होगा। इसी महीने 15 अगस्त से पहले मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीते फर्राटा भरते हुए दिखायी देंगे। इनमें से चार नर और चार मादा चीते हैं। जनवरी, 2022 में चीतों की वापसी का एक मास्टर प्लान मोदी सरकार ने तैयार किया था और इसके तहत अगले पांच साल में कुल 30 चीते भारत में लाये जाने की योजना है। सात वर्ष पहले भारतीय वन्यजीव संस्थान ने चीतों के पुनर्वास के लिए 260 करोड़ रुपये की लागत की योजना बनायी थी। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की 19वीं बैठक में कार्ययोजना की घोषणा की गयी थी। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में सबसे तेज दौड़ने वाले जानवर के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बड़ी संख्या में नीलगाय, जंगली सूअर, चीतल तथा अन्य पशु हैं। मांसाहारी जानवरों में तेंदुआ और लकड़बग्घा ही हैं। ऐसे में आगंतुक चीतों के लिए समुचित आहार की उपलब्धता रहेगी। एक वैज्ञानिक अनुमान के मुताबिक, चीते 50 लाख वर्ष से धरती पर मौजूद हैं तथा पहली बार इन्हें भारत में ही देखा गया था। चीता शब्द की उत्पत्ति भी संस्कृत शब्द चित्राका से हुई है, जिसका हिंदी में मतलब होता है, चितकबरा या धब्बेदार। लेकिन यह हमारे देश के लिए एक विडंबना ही मानी जानी चाहिए कि कई दशकों से भारत में एक भी चीता मौजूद नहीं है। आजादी से पहले भारत में बड़ी संख्या में चीते पाये जाते थे, लेकिन फिर इनकी आबादी धीरे धीरे घटती चली गयी। इसकी सबसे बड़ी वजह राजाओं–महाराजाओं का बेहिसाब शिकार का शौक और नकली वीरता के प्रदर्शन की होड़ थी। जनता के बीच खुद को बहादुर दिखाने के लिए जंगल में सबसे ज्यादा शेरों, बाघों और चीतों का शिकार किया जाता था तथा अपनी नकली वीरता को सभी के सामने प्रदर्शित किया जाता था। उस जमाने में राजाओं–महाराजाओं के चाटुकार और दरबारी भी उनकी झूठी वीरता का बखान किया करते थे एवं उनके बारे में लिखा करते थे।

नागरिक के न्याय के अधिकार को कमजोर करती न्यायपालिका

विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट के अनेक फैसले नकारात्मक कारणों से चर्चा में रहे। इनमें कुछ फैसले कुछ पुराने थे और कुछ एकदम हाल के। इन फैसलों के चर्चा में आने का कारण सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश अजय माणिकराव खानविलकर की सेवानिवशत्ति थी। इन सभी फैसलों से उनका संबंध रहा था और इन फैसलों को आपस में जोड़ने वाली चिंतन प्रक्रिया और वैचारिक अंतर्धारा को इनमें सहज ही पढ़ा जा सकता था। जाहिर है कि न्यायालय का हर फैसला हर किसी को पसंद नहीं आ सकता। हर किसी को संतुष्ट करना न्यायालय का काम भी नहीं है। क्या इन फैसलों की आलोचना भी केवल इसी सामान्य कारण से हो रही थी कि सुप्रीम कोर्ट से राहत की उम्मीद कर रहे पक्ष को निराशा हाथ लगी थी और वह अपने असंतोष की अभिव्यक्ति कर रहा था? दरअसल ऐसा नहीं था। अनेक न्यायविदों की राय में इन फैसलों के दूरगामी परिणाम होंगे जो राज्य की निरंकुश शक्ति की बढ़ोतरी तथा आम आदमी के दमन और उत्पीड़न में सहायक होंगे। इन न्यायविदों के अनुसार वटाली मामले और पीएमएलए मामले में दिए गए निर्णय व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित और समाप्त करने में राज्य की मदद कर सकते हैं। एफसीआरए (फारेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट) पर दिया गया निर्णय अभिव्यक्ति और संघ निर्माण की स्वतंत्रता में कटौती करने वाला है जबकि जाकिया जाफरी और हिमांशु कुमार के मामले में आए फैसले न्यायालय के हस्तक्षेप द्वारा अपने मौलिक अधिकारों को प्राप्त करने तथा राज्य के अनुचित आचरण के विरुद्ध

न्यायिक समाधान पाने के नागरिक अधिकारों को कमजोर बनाने वाले हैं। जाकिया जाफरी मामले और हिमांशु कुमार प्रकरण के विषय में न्यायालय का निर्णय संविधान के उस अनुच्छेद 32 पर ही प्रहार करता है जो संविधान निर्माता बीआर आंबेडकर को सर्वाधिक प्रिय था और जिसे उन्होंने संविधान के हृदय एवं आत्मा की संज्ञा दी थी जिसके बिना संविधान का महत्व ही समाप्त हो जाएगा। यह देखना दुःखद है कि तीस्ता सीतलवाड़ और हिमांशु कुमार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय उस राज्य द्वारा याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई का आधार बन रहा है जिसकी कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर वे न्याय मांगने सर्वोच्च न्यायालय गए थे। गौतम भाटिया जैसे कानून के अनेक जानकार यह मानते हैं कि स्वतंत्र भारत के न्याय शास्त्र के इतिहास में पहले भी इस प्रकार के अधिसंख्य उदाहरण मिलते हैं जब राज्य विजयी हुआ है और व्यक्ति को पराजय झेलनी पड़ी है, किंतु ऊपर उल्लिखित फैसलों में जो चिंताजनक बात है वह राज्य के जीतने के तरीके में आया बदलाव है। टेरर फंडिंग के आरोपी जहूर अहमद शाह वटाली के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर अनेक न्यायविद असहमत थे। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय महज उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत को रद्द करने तक सीमित नहीं था। वटाली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वटाली को जमानत देने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा अपनाया गया कानूनी मापदंड ही गलत था। यूएपीए (अनलाफुल एक्टिविटीज (प्रीवेंशन) एक्ट) के सेक्शन 43 (डी) (5) के मामलों में जमानत की याचिका पर विचार करते समय साक्ष्यों की विस्तश्त पड़ताल अथवा छानबीन की कोई आवश्यकता नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद यूएपीए (अनलाफुल एक्टिविटी•ा (प्रीवेंशन) एक्ट) के मामलों में जमानत मिलना लगभग असंभव हो गया है। जब बचाव पक्ष जमानत पर सुनवाई के दौरान अपने तर्क नहीं रख सकता है, अपने गवाह प्रस्तुत नहीं कर सकता है, न ही अभियोजन पक्ष के गवाहों का प्रति परीक्षण कर सकता है तब उसकी असहायता की कल्पना ही की जा सकती है।

विधि विशेषज्ञों का मानना है कि पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट) पर सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला भी राज्य को अनुचित रूप से असीमित अधिकार देने वाला है। दंड प्रक्रिया संहिता पुलिस की कार्यप्रणाली पर जो अंकुश लगाती है उससे ईडी को सर्वथा मुक्त कर दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस की एफआईआर के समतुल्य मानी जाने वाली ईसीआईआर की प्रति आरोपी के साथ साझा करने से ईडी को छूट दी है। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार ईडी के समन्स का अर्थ गिरफ्तारी नहीं है। आत्म दोषारोपण के विरुद्ध प्राप्त संवैधानिक अधिकार ईडी की पूछताछ पर लागू नहीं होगा क्योंकि ईडी, पुलिस नहीं है। ईडी के सामने की गई स्वीकारोक्तियां साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य होंगी यद्यपि पुलिस के मामले में ऐसा नहीं है। शायद न्यायालय यह मानता है कि पुलिस किसी व्यक्ति को झूठी स्वीकारोक्तियां करने के लिए मजबूर कर सकती है किंतु ईडी के अधिकारी कोई अनुचित आचरण कर ही नहीं सकते। सर्वोच्च न्यायालय के मतानुसार ईडी मैन्युअल के तहत ईडी जिन प्रक्रियाओं को अपनाता है उन्हें सार्वजनिक करने की कोई बाध्यता नहीं है और यह ईडी के आंतरिक दस्तावेजों के रूप में दर्ज होकर हमेशा गुप्त बनी रहेंगी। सर्वोच्च न्यायालय यह भी कहता है कि पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट) के मामलों में यह व्यक्ति का उत्तरदायित्व रहेगा कि वह स्वयं को निर्दोष सिद्ध करे न कि यह राज्य की जिम्मेदारी रहेगी कि वह व्यक्ति को दोषी सिद्ध करे। पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट) को इतना व्यापक बना दिया गया है कि अनजाने में पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट)के दायरे में आने वाले किसी लेनदेन में अप्रत्यक्ष भागीदारी होने पर भी किसी व्यक्ति को इसके अंतर्गत आरोपी बनाया जा सकता है। जब हम यह जानते हैं कि पिछले आठ वर्षों में पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट) के तहत ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामलों में 8 गुना वृद्धि हुई है और दोष सिद्ध होने की दर एक प्रतिशत से भी कम है तो सर्वोच्च न्यायालय की यह सख्ती और आश्चर्यजनक लगती है। अंतरराष्ट्रीय संधियों की बाध्यता को आधार बनाकर अपनी सुविधानुसार सत्ता नागरिक अधिकारों में कटौती कर रही है जबकि अंतरराष्ट्रीय कानून के उन उदार अंशों को जो शरणार्थियों एवं अल्पसंख्यकों के अधिकारों से संबंधित हैं, रद्दी की टोकरी में डाला जा रहा है। ऐसे समय में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद लगाए आम आदमी की हताशा स्वाभाविक ही है। जब सर्वोच्च न्यायालय के इन फैसलों से जुड़े जस्टिस खानविलकर सेवानिवृत्तहुए तब उनके इन फैसलों पर प्रिंट और सोशल मीडिया में खूब लिखा गया। अधिकांश आलोचनात्मक टिप्पणियों में इन फैसलों के विवादास्पद अंशों के लिए श्री खानविलकर को व्यक्ति के रूप में अधिक और न्यायाधीश के रूप में कम दोषी ठहराया गया। अनेक आलेखों का यह भाव था कि यदि जस्टिस खानविलकर के स्थान पर कोई और न्यायाधीश होता तो निर्णय कुछ और होता। इस तरह अनेक गंभीर प्रश्न अचर्चित रह गए।

– डॉ राजू पाण्डेय

आज का राशिफल

मेष :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्टा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

बृषभ :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। कोई नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्ररख दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने स्रेत बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– अपनी भावुकता पर नियंतण्ररखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है। माता के स्वास्थ के प्रति कुछ चिन्ताएं होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

एक थीं उषा देवी मित्रा

हिंदी साहित्य का यह दुर्भाग्य है कि इसके इतिहास में स्त्रियों के लेखन को लेकर एक शातिराना मौन व उपेक्षा का भाव है। साहित्य इतिहास लेखन का पैटर्न ही इस तरह निर्मित किया गया है कि स्त्री का लिखा बहिष्कृत होने के लिए अभिशप्त है। बहिष्कृति के सूक्ष्म और स्थूल कई स्तर हैं। गलती से अगर शामिल कर लिया गया, तो नामोल्लेख करके छोड़ दिया गया है। उषा देवी मित्रा ऐसी ही एक लगभग भुला दी गयी लेखिका रही हैं, जिनका लेखन गर्दो–गुबार से ढककर लगभग ओझल बना दिया गया है, जबकि उन्होंने लिखा है और खूब लिखा है। उनके लगभग आठ उपन्यास और सात से ज्यादा कहानी संकलन प्रकाशित हुए। वे मूलतः बांग्ला से हिंदी में आयी थीं। बांग्ला के प्रतिष्ठित पत्रों– 'प्रवासी', 'भारतवर्ष' , 'वसुमति', 'पंचपुष्प' आदि में वे खूब छपीं। सबसे पहले वे 'हंस' में छपीं। हिंदी में उन्हें 'विश्वमित्र' मासिक ने निरंतर छापा। इसके अलावा भी वे अन्य पत्र–पत्रिकाओं में लेखन करती रहीं। अक्सर हम समसामयिक उपेक्षा से त्रस्त होकर यह सांत्वना देते पाये जाते हैं कि निरंतर लेखन अपने आप उपस्थिति को मनवा लेगा। लेकिन उषा देवी मित्रा के साथ ऐसा नहीं हुआ। कुछ साहित्येतिहास की पुस्तकों में उनका नामोल्लेख तो है, लेकिन बस नामोल्लेख ही है। वे सामान्य परिवार से नहीं थीं। उनके साथ उनके परिवार की साहित्यिक विरासत थी।

बांग्ला के सुप्रसिद्ध लेखक सत्येंद्र नाथ दत्त इनके मामा थे और कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर इनके दादू (बाबा) थे। उषा देवी मित्रा का जन्म 1897 में जबलपुर में हुआ था। उनके पिता हरिश्चंद्र दत्त ख्यात वकील थे। साहित्य और संगीत में उनकी रुचि थी। परिवार में उस समय के समाज में व्याप्त कुप्रथाओं जैसे– बाल विवाह, स्त्री अशिक्षा आदि का बोलबाला था, पर शिक्षित पिता ने अपनी पुत्री की शिक्षा की समुचित व्यवस्था की। इनकी माता सरोजिनी दत्त परंपरागत महिला थीं। लगभग 13–14 वर्ष की किशोरावस्था में क्षितिजचंद्र मित्रा से उषा देवी का विवाह हुआ। क्षितिजचंद्र ने विदेश

जाकर इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा हासिल की थी। उषा देवी का निजी जिंदगी कष्टों और मश्त्यु की शोक पत्रिका रही। कुछ ही वर्षों के अंतराल में सद्यजात पुत्र, बहन, भाई और पति की मश्त्यु हुई। वर्ष 1919 में जब उनके पति की मश्त्यु हुई, तो उस समय उषा जी गर्भवती थीं, उसी वर्ष उनकी दूसरी पुत्री का जन्म हुआ। उस समय बंगाली संभ्रांत परिवार में असमय वैधव्य किसी अभिशाप से कम नहीं था। इस शोक की घड़ी में उनका सहारा अध्ययन और लेखन बना। उन्होंने कलकत्ता और शांतिनिकेतन में कुछ समय बिताया। उन्होंने शांतिनिकेतन में कुछ वर्ष रहकर संस्कृत की शिक्षा अर्जित की। शारीरिक रूप से वह बहुत स्वस्थ नहीं रहीं। बाल विवाह, आठ–नौ महीने के पुत्र की मृत्यु, असमय वैधव्य– उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएं थीं। उनकी लंबी बीमारियों के लिए इन परिस्थितियों ने खाद–पानी नहीं जुटाया होगा, ऐसा कहना मुश्किल है। बंगाली भद्रलोक की घरेलू स्त्रियों के जीवन के संबंध में रवींद्रनाथ की याद आती है। उन्होंने लिखा है कि इन घरेलू स्त्रियों का अंतःपुर कीमती और खूबसूरत पश्मीने की चादर का उल्टा हिस्सा है, जो सामने के हिस्से के ठीक उलट बेहद कुरूप और कुत्सित होता है। उषा देवी के लिए लेखन जैसे जीवन को पुनः हासिल करने, जीने लायक और मानीखेज बनाने का जरिया बन गया। स्त्री केवल इसलिए नहीं लिखती कि उसे लिखना है, सामाजिक उपलब्धि हासिल करनी है, यश कमाना है, प्रशंसा–अनुशंसा प्राप्त करनी है। स्त्री लिखती इसलिए है कि उसे जीना है। अपने को भाषा और अभिव्यक्ति के माध्यम से पाना है। उस दुनिया की मीमांसा करनी है, जिसमें उसके लिए जगह नहीं। नवजागरण काल में अंग्रेजी सत्ता के समक्ष अपने को श्रेष्ठ बताने के लिए समाज में स्त्रियों की दशा को सुधारना जरूरी था। सात–आठ साल में बच्चियों का ब्याह कर और फिर अकाल विधवाओं को सती कर कोई जाति अंग्रेजों की संस्कृति से अपनी संस्कृति को श्रेष्ठ नहीं बता सकती थी। विदेशियों के आगमन और यहां सत्ता कायम करने से हिंदुस्तानियों को बड़ा सांस्कृतिक झटका लगा। राजनीतिक पराधीनता के बावजूद सांस्कृतिक श्रेष्ठता का अपना तामझाम खड़ा करने के लिए जरूरी था कि स्त्रियों की सामाजिक दशा में सुधार लाया जाए और उन्हें भी सांस लेने की जगह मुहैया हो, इसका ख्याल किया जाए।

अपने उपन्यासों और कहानियों में भी उन्होंने धर्म के रूढ़ रूप का विरोध किया है, जो स्त्री के दमन और शोषण पर अवलंबित है। 'देवदासी' कहानी इसका उदाहरण है। स्त्री जीवन की त्रासदियों को अधिकतर पूर्व जन्म के कर्मों का फल और भाग्यवाद से जोड़ दिया जाता है, लेकिन उषा देवी ऐसा नहीं मानतीं। वे उसके सामाजिक कारणों की पड़ताल में जाती हैं। उनकी कहानियों में समाज में स्त्री की वैविध्यपूर्ण छवियां उभरती हैं। शिक्षित, अशिक्षित, विधवा, विवाहिता स्त्रियां उनकी रचनाओं में हैं। स्त्री जीवन की विभिन्न मनोदशाओं, अवसाद और खिन्नता के चित्र हैं।– **सुधा सिंह**

अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा

पिछले करीब पचास वर्षों के दौरान अंतरिक्ष में भेजे गए संचार उपग्रहों, प्रयोगशालाओं, मानवरहित यानों, मालवाहक यानों और मानव–मिशनों के कारण पृथ्वी से बाहर एक विशाल कबाड़ घर बन गया है। इसके अलावा प्रकृति ने भी अंतरिक्ष में हमारी पृथ्वी के नजदीक ऐसे हजारों छोटे–बड़े पिंड तैनात कर रखे हैं, जो किसी भी वक्त पृथ्वी के वायुमंडल में घुस कर मानव सभ्यता के संपूर्ण विनाश का खतरा उत्पन्न कर सकते हैं।अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा धरती के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। यह कचरा मानव निर्मित तो है ही, उससे भी ज्यादा ब्रह्मांडीय पिंडों का है। असंख्य छोटे–बड़े उल्का पिंड लगातार बनने–टूटने की स्थिति में रहते हैं। सृष्टि का यह चक्र कभी थमने वाला नहीं है। पर मानवनिर्मित अंतरिक्ष कचरे से धरतीवासियों के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी– नासा भी इससे चिंतित है। इस बारे में विज्ञान पत्रिका– साइंस में नासा के विज्ञानियों जे.सी. लियो और एन.एल. जानसन ने एक शोध रिपोर्ट में लिखा है कि हमारे करीबी अंतरिक्ष में मानव निर्मित नौ हजार से ज्यादा ऐसे टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में तैर रहे हैं जो आने वाले वक्त में भयावह दृश्य उपस्थित कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जारी अंतरिक्ष अभियानों को बिल्कुल रो दिया जाता है (जो कि अब संभव नहीं है), तो भी अंतरिक्ष में इतने उपग्रह आदि मौजूद हैं कि उनसे वहां कबाड़ की मात्रा में इजाफा होता ही रहेगा। इस पूरे प्रसंग में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि इस कबाड़ को समेट कर पृथ्वी पर वापस लाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि कई देश अब इस अंतरिक्षीय कचरे पर नजर रखने की योजनाएं बना रहे हैं और उन्हें लागू कर रहे हैं। कुछ समय पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष स्थितिपरक जागरूकता एवं प्रबंधन निदेशालय (डीएसएसएएम) की स्थापना की, जो अंतरिक्ष के कबाड़ पर नजर रखता है। इस निदेशालय से मिली सूचनाओं के आधार पर पिछले साल इसरो ने अपने उपग्रहों को कचरे की टक्कर से बचाने के लिए बीस बचाव अभियान संचालित किए। प्रश्न यह है कि यह कचरा आखिर आता कहां से है। एक आम धारणा यह है कि यह कचरा सौरमंडल में ही क्षुद्र ग्रहों की टूट–फूट से पैदा होता है। कुछ कचरा बाहरी अंतरिक्ष से उल्काओं के रूप में भी आता है। पर यह समस्या तब ज्यादा बढ़ने लगी जबसे मानव ने अंतरिक्ष में अपने यान भेजने शुरू किए और विभिन्न उद्देश्यों से कृत्रिम उपग्रहों को अलग–अलग कक्षाओं में स्थापित करना शुरू किया। इनमें से जब कुछ उपग्रहों ने काम करना बंद कर दिया या फिर यानों से कुछ चीजें अंतरिक्ष में बाहर निकल गइं या उनमें टूट–फूट हो गई, तो ये सब कबाड़ में तब्दील होते चले गए। सोर्स–द्भड्डठ्ठह्यड्डह्ललह्लड्ड भारत के भले ही किसी कोने में आप रह रहे हों, जनता से रिश्ता वेबसाइट पर आपके राज्य की हर छोटी–बड़ी खबर मिलेगी। राजनीति, खेल, चुनाव, बिजनेस, सिनेमा, इस प्लैटफॉर्म पर बस एक क्लिक करते ही हमेशा पाएं ताजा खबरें। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल समेत देश के बाकी राज्यों और शहरों की कोई जानकारी हो, हम आपको देते हैं।

पूंजी की प्रभुता में लोकतंत्र

आधुनिकता और पूंजीवाद के दौर में लोकतंत्र आता है, लेकिन सत्ता–तंत्र का निर्वाचन सभ्यताओं के इतिहास में सब जगह कभी–न–कभी, किसी–न–किसी रूप में मौजूद रहा है। भारतीय संदर्भों में देखें तो छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के महाजन पदों में अधिकांश की शासन और निर्णय प्रक्रिया बहुत हद तक लोकतांत्रिक थीं, लेकिन वह दौर सामंतवाद का था।

इसमें तो किसी को कोई संदेह नहीं होगा कि फासीवाद दरअसल पूंजीवादी व्यवस्था का ही एक निकृष्ट और क्रूर रूप है। लेनिन ने बीसवीं सदी के पहले दूसरे दशक तक के पूंजीवाद का विश्लेषण करते हुए बताया था कि साम्राज्यवाद पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था है। उनका मानना था कि साम्राज्यवाद के चलते पूंजीवादी मुल्कों की लूट की आपसी लड़ाई इतनी प्रखर हो जाएगी और शोषण इतना अधिक हो जाएगा कि क्रांतिकारी नेतृत्व हासिल होने पर मेहनतकश शोषण के इस जुए को उतार फेंकेगा और इस तरह साम्राज्यवाद पूंजीवादी व्यवस्था का अंतिम सोपान साबित होगा। प्रथम विश्वयुद्ध में यह काफी हद तक साबित भी हुआ, जब तीसरी दुनिया के संसाधनों और बाजारों पर कब्जे के लिये अनेक मुल्क आपस में इस कदर उलझे कि पूरी दुनिया युद्ध का मैदान बन गई। इसी आलमी लड़ाई के दौरान स्वयं लेनिन के नेतृत्व में सोवियत–क्रांति हुई जिसने पूरी दुनिया में समता के स्वप्न को विस्तार दिया। दुनिया के अनेक देशों में समाजवादी सरकारें स्थापित हुईं और औपनिवेशिक गुलामी में जकड़े देशों में मुक्ति की लड़ाईयां आरंभ हुईं। यदि पूंजीवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाती तो यह युद्ध के अंत की शुरुआत थी, लेकिन महज दो दशक के अंदर ही दुनिया श्दूसरी आलमी लड़ाईश में फंस गई। यह अपने अस्तित्व पर आए संकट से निबटने की एक पूंजीवादी रणनीति थी। पूंजीवाद की अनेक खासियतें हैं जिनमें सबसे प्रमुख है– नित नये संकटों से निबटने की उसकी कलाबाजियां। इस बार उसने फासीवाद का सहारा लिया और एक नस्ल की श्रेष्ठता के नाम पर मनुष्यता के साथ जो अत्याचार हुए, उन्होंने दुनिया को कंपा दिया। इससे एक ओर तो सोवियत समाजवादी गणतंत्र की जनता संघर्ष कर रही थी, तो दूसरी तरफ लोकतंत्र की बात करने वाले पूंजीवादी मुल्क।

बहरहाल, यह लड़ाई फासीवाद के तात्कालिक खात्मे के साथ खत्म हुई और पुराने पूंजीवादी देशों ने कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को प्रस्तुत कर अपने चेहरों से रक्त के दाग मिटाने की कोशिश आरंभ की। अब आते हैं, लोकतंत्र पर। गौर से देखा जाए तो यूरोप में औद्योगिक क्रांति के आने के बाद तीन नए विचार दुनिया में आये – पूंजीवाद, लोकतंत्र और आधुनिकता। मजे की बात है कि ये तीनों एक–दूसरे से पृथक होने के बावजूद आपस में नाभिनालबद्ध हैं। लोकतंत्र अपने आपमें एक आधुनिक विचार है जो व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता पर जोर देता है। ये तत्व पूंजीवाद को एक नैतिक वैधता प्रदान करते हैं जो उस दौर में सामंतवाद के

बरअक्स एक आधुनिक उत्पादन प्रणाली के रूप में प्रकट हुआ था। अपनी सीमाओं के बावजूद लोकतंत्र अब तक की सबसे बेहतर शासन व्यवस्था सिद्ध हुई जिसने राजनीतिक बराबरी को स्थापित किया और आज सार्वभौमिक मताधिकार के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को अपने शासक चुनने का अधिकार मिला है। आधुनिकता और पूंजीवाद के दौर में लोकतंत्र आता है, लेकिन सत्ता–तंत्र का निर्वाचन सभ्यताओं के इतिहास में सब जगह कभी–न–कभी, किसी–न–किसी रूप में मौजूद रहा है।

भारतीय संदर्भों में देखें तो छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के महाजन पदों में अधिकांश की शासन और निर्णय प्रक्रिया बहुत हद तक लोकतांत्रिक थीं, लेकिन वह दौर सामंतवाद का था। अब यह अपने आप में मजेदार बात थी कि सामंतवादी व्यवस्था लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के माध्यम से अभिव्यक्त हो रही थी। इसके ठोस कारण भी थे। एक तो उस दौर में उत्पादन की प्रक्रिया और उसके संबंध सामंतवादी थे और महाजनपदों के अलावा अन्य राज्यों में भी वही संबंध और प्रक्रिया कायम थी। बाद में साम्राज्यों के उदय के साथ–साथ जनपद खत्म होते गए, क्योंकि उनके नवजात लोकतंत्र दिन–प्रतिदिन जटिल होते उत्पादन संबधों को संभालने में असफल साबित हुए। बेशक, मगध जैसे साम्राज्यों ने उसे कर दिखाया – जैसे साम्राज्य करते हैं, उसी तरह। इस विस्तार में जाने का मतलब सिर्फ इतना है कि यह समझा जा सके कि लोकतन्त्र एक शासन प्रणाली है जो किसी और तरह की शासन प्रणाली की तरह अपने समय में वर्चस्वशाली व्यवस्था को अभिव्यक्ति प्रदान करती है चाहे वह सामंतवाद हो, पूंजीवाद हो यहां तक कि समाजवादी व्यवस्था भी लोकतंत्र के माध्यम से संचालित हो सकती है। यह एक आईने की तरह है जिसके सामने जो आएगा, उसके चेहरे का प्रतिबिंब दिखाई देगा। ठीक ऐसा ही निरंकुश शासन व्यवस्था भी कर सकती है और सामंतवाद, पूंजीवाद यहां तक कि समाजवाद भी निरंकुश शासन व्यवस्था के अंतर्गत संचालित हो सकता है।

इसका मतलब लोकतंत्र के महत्व को कम करके आंकना और उसका अवमूल्यन करना नहीं है। लोकतंत्र के बारे में यह लिख पाने की आजादी लोकतंत्र ही दे सकता है। कोई निरंकुश शासन अपनी आलोचना इस तरह बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैंने पहले भी कहा है कि लोकतंत्र अब तक की सबसे बेहतर शासन व्यवस्था है और आज की तारीख में इसका एक ही विकल्प है–बेहतर लोकतंत्र। बेहतर लोकतंत्र का लक्ष्य कैसे हासिल होगा? आज पूंजीवाद शोषण और गैर–बराबरी के शिखर पर विराजमान है। महज एक फीसदी उद्योगपति दुनिया की आधी आबादी से अधिक की संपत्ति पर काबिज हैं। संसाधनों पर कब्जे की उनकी हवस, न केवल प्रकृति का विनाश करने पर उतारू है, बल्कि जल, जंगल और जमीन बचाने की बात करने वालों को हर तरह से प्रताड़ित भी किया जा रहा है। जब लोकतंत्र आया था तब पूंजीवाद के लिये जरूरी था कि वह सामंतवाद का खात्मा कर दे। इसलिये उसने न्याय, बंधुत्व और समता जैसे नारे दिए। पूंजीवाद को लोकतंत्र बहुत भाया, परंतु आज पूंजीवाद लूट के जिस स्तर पर पहुंच गया है वहां ये तीनों मूल्य–समता, न्याय और बंधुत्व उसे अवांछित प्रतीत होने लगे हैं। जाहिर है, अब उसे इनसे मुक्ति चाहिए। इसलिये दिन प्रतिदिन लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है। वैश्विक स्तर पर व्यवस्था के सभी अंग विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका इसी परियोजना में संलग्न हैं। चूंकि यह बात सीधे–सीधे तो कही नहीं जा सकती कि अब पूंजीवाद का लक्ष्य लोकतंत्र से पूरा नही हो रहा है और उसे निरंकुश शासन व्यवस्था की दरकार है, इसलिये बिना कोई घोषणा किये इस काम को किया जा रहा है। कितनी बड़ी विडंबना होगी–निरंकुश लोकतंत्र।

इसलिये आज लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई एकांगी नहीं हो सकती। अब सिर्फ बचाने से लोकतंत्र नहीं बचेगा, उसे बेहतर बनाना होगा। बेहतर और समावेशी। सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक समानता को स्थापित करता हुआ लोकतंत्र भविष्य का लोकतंत्र होगा। भविष्य का समाजवाद लोकतंत्र के बिना संभव नहीं होगा और भविष्य के लोकतंत्र के लिये समाजवाद अपरिहार्य होगा। लोकतंत्र बचाने वालों को इतनी सी बात समझनी होगी।**–सत्यम पाण्डेय**

बीजेपी यूपी छोड़ो अखिलेश ने दिया नया नारा, कहा- ब्रिटिश राज के नक्शेदम पर चल रही योगी सरकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ दिये गये नारे 'अंग्रेजो भारत छोड़ो को याद करते हुए कहा कि वह आज एक नया नारा देते हैं 'बीजेपी यूपी छोड़ो। अखिलेश ने जंगे आजादी के दौरान नौ अगस्त को शुरु हुए भारत छोड़ो आंदोलन की याद में आयोजित अगस्त क्रांति दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की तुलना ब्रिटिश राज से की। उन्होंने कहा, ''आज के दिन स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरु कर 'अंग्रेजो भारत छोड़ोश का नारा दिया था। मैं आज से एक नया नारा 'बीजेपी यूपी छोड़ो देता हूं। उन्होंने कन्नौज के झउवा गांव से घर–घर तिरंगा फहराने के सपा के अभियान की शुरुआत करते हुए स्थानीय लोगों से आगामी 15 अगस्त तक घर घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। इस मौके पर अखिलेश ने सरकार को उसके वादों की याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा ने घर घर तिरंगा फहराने का नारा दिया है लेकिन भाजपा सरकार को घर घर ६ ाान की कीमत भी देने की बात याद रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि ये वही भाजपा है, जिसने पहले कभी भारत का झंडा नहीं लगाया। आज घर घर तिरंगा लेकर जाने वालों ने कभी तिरंगा का विरोध किया था। केन्द्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा के नेता अपने भाषणों में भारत माता की जय बोलते हैं और इन्हीं की सरकार ने सेना को भी अब 'आउटसोर्स कर दिया है। अखिलेश ने कहा कि कन्नौज के झउवा गांव में जब से सपा ने आज का कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया, तभी से इस गांव को भाजपा के लोग खोजने लगे हैं। उन्होंने कहा कि झउवा गांव के स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में पुष्प अर्पित करने का अब जाकर इन लोगों को मौका मिला। उन्हों ने कहा कि भाजपाईयों को ये गांव नक्शे में भले न मिला हो, लेकिन ये गांव पूरी तरह से समाजवादी है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित यमुना एक्सप्रेस वे पर चेकिंग दौरान एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 90 के समीप हुए हादसे में सीओ की कार के चालक 40 वर्षीय विपिन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सीओ मांट नीलेश मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर कई थानों की पुलिस पहुंची और गंभीर रूप से घायल सीओ को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। मशतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया ।गनर भी घायल है, उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विपिन फिरोजाबाद जसराना का रहने वाला था। तीन माह पूर्व ही विपिन स्थानांतरित होकर यहां आया था। यमुना एक्सप्रेस वे पर रात्रि को गश्त कर रहे सीओ मांट की कार को कोतवाली सुरीर क्षेत्र में माइल स्टोन 90 पर यू टर्न लेते समय पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सीओ की कार कलाबाजी खाती हुई दूर जाकर पलट गई।

जो अपराध करेगा, वो जेल जायेगा-केशव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। केशव मौर्य अपने दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे। सर्किट हाउस में मीडिया से मुखातिब डिप्टी सीएम ने श्रीकांत त्यागी की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि, जो अपराध करेगा और दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी,उसे जेल जाना पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज है और सभी के लिए कानून एक समान है फिर चाहे वो कोई भी हो। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है ऐसे कार्यकर्ता तैयार करना है जो सरकार की नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्षम हो। आज नोएडा में महिला से अभद्रता करने वाले आरोपी श्रीकांत त्यागी को पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार कर लिया है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में त्यागी को नोएडा के सेक्टर 93 की ग्रैंड ओमेक्स में एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करते देखा गया था और तब से वह फरार था। पुलिस लगातार तलाश में जुटी थी। नोएडा पुलिस ने त्यागी को उसके तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने सेक्टर–93बी में आवासीय सोसायटी में नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए श्रीकांत त्यागी द्वारा कुछ पेड़ लगाने पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद त्यागी ने महिला के साथ कथित तौर पर अभ्रद व्यवहार किया और उसे धक्का भी दिया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया था. मामला दर्ज होने के बाद से ही त्यागी फरार चल रहा था। आरोपी श्रीकांत त्यागी के खिलाफ पहले से ही हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। वह खनन के कारोबार में भी संलिप्त है. उसके भारतीय जनता पार्टी का करीबी होने की बात भी कही जा रही है। करीब 10 साल पहले पाकिस्तान के नंबर से मिली धमकी के बाद वह चर्चा में आया था। इस संबंध में शिकायत करने के बाद उसे पुलिस सुरक्षा दी गई थी, जिसको लेकर भी विवाद है कि आखिर उसे सुरक्षा किस आधार पर दी गई थी।

गैंगस्टर अबू सलेम को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने किया तलब

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। फर्जी नाम पते पर पासपोर्ट बनवाने के आरोपों से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने गैंगस्टर अबू सलेम के अनुरोध ा को स्वीकार कर लिया है कि जब उसका वकील यहां की अदालत में अपनी दलीलें पेश करेगा तो वह अदालत कक्ष में मौजूद रहेगा। सीबीआई अदालत की विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट समश्द्धि मिश्रा ने 10 अगस्त को सलेम की पेशी के लिए समन जारी किया है। इसके पूर्व गत पांच अगस्त को अबू सलेम के वकील ने अदालत के समक्ष अर्जी देकर कहा था कि अबू सलेम ने उनसे कहा है कि उसकी अनुपस्थिति में बहस नहीं की जाए। इसके बाद वकील ने अदालत के समक्ष बहस करने में असमर्थता जाहिर करते हुए अबू सलेम को तलोजा जेल नयी मुंबई से तलब किए जाने का अदालत से अनुरोध किया था। अदालत ने वकील के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, सह–अभियुक्त परवेज आलम के वकील को निर्देश दिया है कि वह इस दौरान अपनी बहस पूरी कर ले। सीबीआई के अनुसार, आरोपी अबू सलेम ने वर्ष 1993 में लखनऊ पासपोर्ट कार्यालय में अपने साथियों परवेज आलम और समीरा जुमानी के साथ षड्यंत्र रचकर बेईमानी, धोखाधड़ी की नीयत से अकील अहमद आजमी के नाम से पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। आरोपी ने इस आवेदन के साथ फर्जी नाम पते के कूटरचित दस्तावेज लगाए और पासपोर्ट प्राप्त किया। मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त को होगी।

अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह ने की थी सीएम से शिकायत

लखनऊ। अयोध्या में अवैध रूप से भूमि की खरीद–फरोख्त और प्लॉटिंग का विवाद गहराता जा रहा है। कुछ विपक्षी दलों का आरोप है कि सत्ता पक्ष के कई नेता और उनके सहयोगी भी अवैध प्लॉटिंग करने के काम में लगे हैं और मुनाफा कमा रहे हैं। करोड़ों रुपए का खेल चल रहा है। इसपर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आरोप को गलत और बेबुनियाद बताते हुए कहा कि इसमें भाजपा का कोई सदस्य शामिल नहीं है। मामले की जांच हो रही है, जो दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा अयोध्या विकास प्राधिकरण से भाजपा नेताओं के नाम वाली वायरल लिस्ट फर्जी है। प्राधिकरण ने कोई लिस्ट जारी नहीं की है। उप मुख्यमंत्री का कहना है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। वे अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनते नहीं देख पा रहे हैं। मंदिर के प्रति उनमें कोई आस्था नहीं है, बल्कि द्वेष भावना से वे इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। अयोध्या के भाजपा सांसद लल्लू सिंह ने भू माफिया को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर जमीन के अवैध कारोबार की शिकायत करते हुए अयोध्या में जमथरा से गोलाघाट तक भूमाफिया की ओर से नजूल और सरयू नदी की दरिया बुर्ज भूमि में किए गए अवैध कब्जों की एसआईटी से जांच की मांग की थी। चर्चा है कि उसी पत्र पर ये कार्रवाई की गई है। वायरल सूची में अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व पूर्व भाजपा विधायक बाबा गोरखनाथ का नाम होने से समाजवादी पार्टी, कांग्रेस राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। इस मामले के प्रकाश में आने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर तंज कसा है।

जानकीपुरम में चोर गिरफ्तार मोबाइल बरामद

लखनऊ। अपराध की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के द्वारा चलाई जा रही मुहिम में गुडम्बा, गाजीपुर और जानकीपुरम पुलिस को सफलता हाथ लगी है। गाजीपुर पुलिस ने वसुंधरा एनक्लेव इंदिरा नगर के रहने वाले रितेश गुप्ता को गिरफ्तार किया है रितेश पर आरोप है कि उसने एक पीड़िता को शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार किया और विरोध करने पर पीड़िता को धमकाया था।

पीड़िता के द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गुडम्बा पुलिस के द्वारा केशव नगर मड़ियांव के रहने वाले नवदेश्वर मणि त्रिपाठी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है नवदेश्वर पर आरोप है कि उसने एक किशोरी को नशीला पदार्थ पिला कर उससे बलात्कार किया पुलिस के द्वारा नवदेश्वर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

हुसैनगंज पुलिस और सर्विलांस टीम को मिली सफलता

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के मध्य जोन की हुसैनगंज और आलमबाग पुलिस ने 7 लुटेरे गिरफ्तार कर लूट का माल बरामद किया है। हुसैनगंज थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर एक व्यापारी के ऑफिस में घुसकर उसे चाकू से घायल कर नगदी और सोने की चेन अंगूठी लूटने वाले पांच लुटेरों को आज लखनऊ कमिश्नरेट के मध्य जोन की सर्विलांस टीम और हुसैनगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर व्यापारी से लूटा गया माल दो मोटर साइकिल और एक चाकू बरामद कर लिया है। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि दोपहर करीब 12.30 बजे तीन बदमाशों के द्वारा व्यापारी के कार्यालय में घुसे थे लुटेरों ने व्यापारी को चाकू मारकर घायल किया गया था और उनकी अंगूठी और चेन लूट ले गए थे। उनके अनुसार लूट की इस वारदात के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और सर्विलांस की मदद से नई बस्ती हुसैनगंज के रहने वाले ईशान प्रभाकर उर्दू वंश, पेपर मिल कॉलोनी महानगर के रहने वाले तौसीफ, जय नारायण रोड हुसैनगंज के रहने वाले हसनैन, उदयगंज हुसैनगंज के रहने वाले तौफीक और चूड़ी वाली गली हुसैनगंज के रहने वाले नासिर अली को गिरफ्तार कर एक की स्कूटी एक मोटरसाइकिल लूटा गया सामान और चाकू बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लुटेरे व्यापारी के घर के आस–पास ही रहते हैं इसलिए लुटेरों के द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से बचने और अपनी पहचान छुपाने के लिए अपने चेहरे को ढक कर वारदात को अंजाम दिया गया था उनका कहना है कि गिरफ्तार किए गए लुटेरों ने ये कबूल किया है कि वो आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे जिसके लिए उन्होंने व्यापारी को लूटने की योजना बनाते हुए लूट की इस वारदात को अंजाम दे दिया। व्यापारी को चाकू मारकर दिनदहाड़े लूट की इस वारदात का खुलासा करने वाली हुसैनगंज पुलिस और डीसीपी की सर्विलांस टीम की सफलता के बाद पुलिस की टीम को 10000 का इनाम देने का ऐलान भी किया गया है । बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गिरफ्तार किए गए लुटेरों ने लूट चोरी की और कितनी वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने लुटेरों के आपराधिक इतिहास के अलावा ये भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इनके गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं। इसके अलावा आलमबाग पुलिस के द्वारा भी दो शातिर लुटेरों पुरवा उन्नाव के रहने वाले अनुपम और विधनु कानपुर नगर के रहने वाले अंशु द्विवेदी को गिरफ्तार कर करीब 8 ग्राम सोना लूट का एक मोबाइल फोन 15 हजार की नकदी और एक स्कूटी के साथ–साथ चोरी की वारदातों में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं । पुलिस ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गिरफ्तार किए गए अनुपम और अंशु ने लूट की और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है।

जश्न- ए-आजादी ट्रस्ट ने वृक्षारोपण के साथ ही लोहिया संस्थान में जरूरतमंदो को कराया भोज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जश्न ए आजादी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आई आई एम रोड, डेंटल कॉलेज के पास रजिया नवाज के नेतश्त्व मे 75 पेड़ लगाए गए। ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा नीम,अशोक,चंदन, जामुन,आम, गुलमोहर, बेल आदि के पौधो का रोपण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा और सचिव निगहत खान ने सभी शहर वासियों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी लोग एक पौधा जरूर लगाएं। इस आयोजन के उपरांत जश्न ए आजादी ट्रस्ट की टीम ने लोहिया संस्थान पहुचकर प्रसादम के माध्यम से जरूरतमंदों और मरीजों के तीमारदारों को भोजन वितरण किया और मरीजों के तीमारदारों को मास्क देकर कोरोना के प्रति जागरूक किया तथा उनको तिरंगे झंडे और पट्टी देकर उत्साह और उमंग के साथ आजादी का अमश्त महोत्सव मानने का आवाहन भी ट्रस्ट के द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रसादम के प्रबंधक विशाल सिंह ने बताया कि आजादी के 75 होने पर आज मेडिकल कॉलेज और लोहिया हॉस्पिटल में लगभग 1175 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया है और ये अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक लगातार करीब 21775 लोगों को निशुल्क भोजन का कराया जाएगा। इसी के साथ ही दोनो अस्पतालों में लोगो को चाय,बिस्कुट और हलवा भी विशेष रूप से लोगो को उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर मुरलीधर आहूजा निगहत खान, डॉक्टर के बजमी यूनुस, शहजादे कलीम खान, अजमत अली, मुर्तजा अली,रजिया नवाज, जुबेर अहमद, रईस खान, अनिल अहूजा, राजीव टंडन, कमर अली, डॉक्टर ए ए नगरामी, कुदरत खान, आबिद कुरैशी, शाहिद सिद्दीकी, प्रदीप सिंह बब्बू, महेश दीक्षित, वामिक खान, संजय सिंह, के डी मिश्रा, प्रिंस आर्य, इमरान खान, आरिफ खान, नूरआलम खान, सोनिया पहावा, शान फरीदी, संतराम यादव,अवध ेश सोनकर,अमरजीत आदि मौजूद थे।

ऋषिमण्डल विधान मे भक्ति मे डूबे श्रद्धालु

लखनऊ। जैन मंदिर इन्दिरा नगर मे दिगंबर संत आचार्य श्री 108 दयासागर जी महाराज के सानिध्य मे चल रहे 9 दिवसीय ऋषिमण्डल विधान के छठे दिन मंगलवार को पंचपरमेष्ठि एवं रत्नत्रय का भक्ति पूर्वक संगीतमय पूजन किया गया। आचार्य श्री ने अरिहंतों के 46 गुणों का वश्हद व्याख्यान किया। भगवान के अभिषेक शांतिधारा के साथ अनुष्ठान प्रारम्भ हुआ। प्रतिष्ठचर्या कमल कुमार द्वारा देव शास्त्र गुरु की पूजन कराई गई। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया की आगामी 11 अगस्त को रक्षा बंधन पर्व जैन मंदिर मे बड़ी ही धूम धाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर 1008 भगवान श्रेयांशनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक भी मनाया जाएगा। जिसमे भगवान को विशाल लड्डू समर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मुकुल जैन, संगीता जैन, किर्ति जैन, कैलाश जैन, आकाश जैन, भरत जैन, संयम जैन उपस्थित रहे ।

योगी ने तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार की शाम को पांच कालीदास मार्ग स्थित आवास से 'तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली का आयोजन भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों में देशभक्ति की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से यह रैली निकाली जा रही है। बाइक रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं की भी भागीदारी रही। दूर तक तिरंगा लिए बाइक सवार दिखाई पड़ रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि पूरा देश अमृत महोत्सव की तैयारी कर रहा है। तिरंगा यात्रा जन जागरूकता का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर तिरंगा का जो नारा दिया वह केवल एक नारा नहीं बल्कि एक जन आंदोलन बन चुका है। इस देश की आजादी के लिए जिन अमर सपूतों ने अपना बलिदान दिया था उन सब को नमन करने उनका स्मरण करने उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ महानगर की पूरी टीम को तिरंगा यात्रा के साथ देश के झंडे को घर–घर तक पहुंचाने के संकल्प की सराहना की। शहीद स्मारक पर यात्रा का समापन महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने किया। बाइक तिरंगा यात्रा में मंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री लखनऊ प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला, यात्रा आयोजक लखनऊ महानगर अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, महापौर संयुक्ता भाटिया, पूर्व मंत्री विधायक आशुतोष टंडन, डॉ महेंद्र सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कन्नौज से बाराबंकी के महादेवा जा रहे थे श्रद्धालु

लखनऊ। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे पर जनपद उन्नाव अंतर्गत देवखरी गांव के पास ट्रक की टक्कर से श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। श्रद्धालु बाराबंकी जिले के लोध ेश्वर मंदिर जा रहे थे। हादसे में एक महिला की मौत और 23 लोग घायल हो गए। 13 घायलों को गंभीर हालत में सीएचसी से जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें से 10 को कानपुर रेफर कर दिया गया। कन्नौज जिले की तहसील तिर्वा के गांव शिवपुर निवासी 24 लोग रविवार शाम छह बजे गांव के ही सुभाष (40) के ट्रैक्टर से लोधेश्वर जाने के लिए निकले थे। ट्रैक्टर मोरपाल चला रहा था। रात 11रू30 बजे लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर देवखरी गांव के सामने पीछे से आ रहे ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी। इससे ट्राली पलट गई। हादसे में सभी लोग घायल हो गए। इससे ट्राली में सवार 24 श्रद्धालु घायल हो गए। जिला अस्पताल में अनुपम (23) पत्नी लाल सिंह को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक अनुपम के साथ उसकी मां कमला, जीजा पृथ्वीराज व सुभाष थे। यह लोग भी घायल हुए हैं। मृतका आठ भाई व बहनों में सबसे छोटी थी। चार साल पहले उसका विवाह हुआ था। कोई बच्चा नहीं था। एसपी दिनेश त्रिपाठी, एसडीएम उदित नारायण सेंगर व सीओ पंकज सिंह अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। ये लोग हुए घायलबश्यामू पाल (29), सोबरन (22), सुभाष (47), रामपाल (25), राजेश्वरी (49), सोनतारा (50), सुरेश कुमार (48), ज्ञानेंद्र (36), विश्वनाथ (55), सीमा (25), मोनिका (24), गुड्डी (35), सुनीता देवी (34), उमलेश (30), आलोक (17), रामप्रकाश पाल (60), राजेश कुमार (43), रघुनाथ प्रसाद (45), गोविंद (25), आदेश (32), नगरिया के पृथ्वीराज (36) व मानेमऊ की कमला (37) हैं।

मुख्य सचिव ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का शुभारंभ किया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गोमती नगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में मनाये जा रहे संस्कृत सप्ताह महोत्सव में 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृत हमारी सनातन परम्परा का अभिन्न अंग है। हमारी मूल भाषा संस्कृत है। हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता पर गर्व करना चाहिये। लगभग 8 हजार साल पूर्व हमारे वेदों की रचना भी संस्कृत में की गई है। हमें हर भाषा का ज्ञान होना चाहिए। संस्कृत भाषा के साहित्य के ज्ञान में सीखने के लिये बहुत कुछ है। संस्कृत में वैदिक गणित है। विदेशों में लोग संस्कृत के बारे में रिसर्च करते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत हमारी वैज्ञानिक भाषा है। इसमें ज्ञान का भंडार है। विश्वविद्यालय को संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार करना चाहिये। संस्कृत विश्वविद्यालय में ओपन डे का आयोजन कर सकते हैं, जिसमें संस्कृत भाषा के बारे में आम जनमानस को जागरूक करें। वैदिक गणित के बारे में भी लोगों को बताएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया जाना प्रशंसनीय है। विश्वविद्यालय के 400 विद्यार्थी देश में संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। यह गर्व का विषय है। यह नए भारत का उदय है। देश में संस्कृत को आगे बढ़ाने के लिए लगे हुए है। उन्होंने सभी से अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करने का आह्वान करते हुये कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस विशेष तरीके से मनाया जा रहा है। आजादी के अमृत पर्व पर हर तरफ उत्सव का माहौल है। पूरे उत्तर प्रदेश में हर घर तिरंगा महोत्सव मनाया जा रहा है। देश की आजादी के लिए कई महानुभाव ने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्हीं को याद करने का मौका है। इससे पूर्व, मुख्य सचिव ने पवित्रमंत्रों के साथ भगवान शंकर की पूजा की। वहीं कार्यक्रम में संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक सर्वनारायण झा ने 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव' पर वर्तमान समय में संस्कृत की उपयोगिता को रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर लोक मिश्र, प्रोफेसर शिशिर त्रिपाठी, प्रोफेसर देवी प्रसाद द्विवेदी, वेद विभागाध्यक्ष डॉक्टर डी. दयानाथ, छात्र– छात्राएं आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रति वर्ष रक्षाबंधन के दिन संस्कृत दिवस का आयोजन हर शिक्षा संस्थानों में सुनिश्चित किया गया है। इस साल संस्कृत दिवस रक्षाबंधन के दिन 11 और 12 अगस्त को मनाया जाएगा। चूंकि पिछले कुछ सालों से संस्कृत की प्रासंगिकता और उपयोगिता को रेखांकित करने के लिए रक्षाबंधन से कुछ पूर्व ही संस्कृत सप्ताह मनाया जाने का निर्देश केंद्र सरकार की ओर से निर्गत है। अतः इस साल भी दिनांक 9 से 14 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन इस परिसर में धूमधाम से किया जा रहा है।

पेड़-पौधों को राखी बांध महिलाओं ने लिया रक्षा का संकल्प

लखनऊ। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आज अपराह्न पंचवटी इको पार्क– विनीत खण्ड, गोमती नगर लखनऊ (भगवान अय्यप्पा मंदिर के सामने) में रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर वश्क्ष रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रकृति और पर्यावरण को संरक्षित रखने के उददेश्य से वश्क्ष रक्षा बंधन कार्यक्रम में जीवन ज्योति फाउंडेशन की अध्यक्ष ज्योति सिंह और सदस्यों ने पेड़–पौधों को रोली का टिका, अक्षत के साथ पुष्पों की माला पहना उनको हस्त निर्मित इको फ्रेंडली राखी बांध कर प्रकृति और वश्क्षों की रक्षा करने का संकल्प लेते हुए रक्षा बंधन का पावन पर्व मनाया। कार्यक्रम में ज्योति सिंह ने कहा कि की पेड़–पौधे हमे जीवन जीने के लिए स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं। इनके बिना हमारा जीवन अधूरा है। पेड़–पौधों की वजह से पर्यावरण संरक्षित रहता है।

भारत छोड़ो आन्दोलन की 80वीं वर्षगांठ को जन दिवस के रूप में मनाया गया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

Ckkjkcdh A भारत छोड़ो आन्दोलन की 80वीं वर्षगांठ को जन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई 'भारत जोड़ो, नफ़रत छोड़ो' की मुहिम पर आचार्य नरेन्द्र देव समाजवादी संस्थान के संयुक्त सचिव नवीन चन्द्र तिवारी, गांधीवादी राजनाथ शर्मा, समाजवादी चिन्तक रामकिशोर, जयप्रकाश, पूर्व हॉकी खिलाड़ी सलाहउद्दीन किदवई, आप नेता धर्मवीर सिंह, सोशलिस्ट पार्टी के नेता अमित मौर्य, समाजसेवी विनय कुमार सिंह सहित कई युवा, छात्र, अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गांधी भवन से पटेल प्रतिमा तक मौन जुलूस निकाला। इससे पहले नवीन तिवारी ने गांधी भवन में झण्डारोहण किया। तदोपरान्त महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अगस्त क्रान्ति के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सभा की अध्यक्षता कर रहे अचार्य नरेन्द्र देव समाजवादी संस्थान के संयुक्त सचिव नवीन चन्द्र तिवारी ने कहा कि समाजवादियों ने देश को आजाद कराने के लिए सेतु का काम किया। उन्होंने क्रान्तिकारियों कार्यशैली

और कांग्रेस की नीतियों के बीच का रास्ता निकाला और भारत छोड़ो आन्दोलन की पटकथा लिखी। 9 अगस्त 1942 का यह आंदोलन एक जन आंदोलन बन गया। जयप्रकाष नारायण, डॉ राममनोहर लोहिया, अरुणा आसफ अली, अच्युत्य पटवर्द्धन, युसूफ मेहर अली जिन्होंने, 1934 में कांग्रेस से टूटकर कांग्रेस सोषलिस्ट पार्टी के नाम से एक अलग संगठन बना लिया था। उन्होने इस आंदोलन का नेतष्त्व किया। गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने कहा कि आजादी की असल तारीख 9 अगस्त होनी चाहिए। जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में देष की आज़ादी की अंतिम लड़ाई लड़ी गई। 'करो या मरो' के आह्वाहन पर पूरा देष बापू के साथ चल पड़ा और 09 अगस्त के दिन मुम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान में श्रीमती अरुणा आसफ अली ने तिरंगा फहरा कर इस लड़ाई को नई दिषा दी। डॉ. लोहिया का कहना था कि 9 अगस्त अच्छे तरीके से मनाया जाना चाहिए। ताकि 15 अगस्त भूल जाए, बल्कि 26 जनवरी भी पृश्ठभूमि में चली जाए या उसकी समानता में आ जाए। 26 जनवरी और 9 अगस्त एक ही श्रेणी की घटनाएँ हैं। एक में आज़ादी की इच्छा की अभिव्यक्ति थी और दूसरी ने आज़ादी के लिए लड़ने का संकल्प करवाया। सभा को समाजवादी चिन्तक राम किशोर, जयप्रकाश, अमित मौर्य, धर्मवीर सिंह, हुमायूं नईम खान, सोनू यादव ने सम्बोधित किया। सभा का संचालन पाटेश्वरी प्रसाद ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से मो. अनस, अशोक शुक्ला, प्रेम नारायण, विनय कुमार सिंह, प्रदीप सिंह वर्मा, सरदार जुगराज सिंह, तौकीर कर्रार, मृत्युंजय शर्मा, सत्यवान वर्मा, वीरेन्द्र सिंह, भागीरथ गौतम, साकेत मौर्य, राजेश यादव, तरूण मिश्रा, अशोक जायसवाल, अतीकरहमान, विनोद भारती, शिवा शर्मा, अजीज अहमद सहित कई लोग मौजूद रहे।

बहनों को खूब भा रहीं बुलडोजर वाली राखियां

बहराइच। भाई–बहन के अटूट प्रेम के पर्व रक्षाबंधन पर बाजारों में रौनक छाई हुई है। फैंसी राखियों से बाजार पटे पड़े हैं। मुंबई व जयपुर की राखियां अपनी छाप छोड़ रही हैं, तो बाबा बुलडोजर वाली राखियों की धूम है। बहनें भाइयों की कलाई को सजाने के लिए यूनिक राखियों की खरीद कर रही हैं।

वैश्विक महामारी कोरोना से उबरने के बाद रक्षाबंधन पर्व पर बाजार चमक रहे हैं।

भाई के घर जाकर रक्षा सूत्र से कलाई सजाने के लिए बहनें आतुर हैं। बाजार में महिलाएं राखियां खरीदने में जुटी हुई है। शहर का घंटाघर चौराहा, राखी के स्टालों से सजा हुआ है। पीपल चौराहा, पानी टंकी चौराहा,अस्पताल चौराहे पर अस्थाई दुकानें लगा कर राखियों की बिक्री कर रहे हैं।

बाजार में जयपुर,राजस्थान, मुंबई, बड़ोदरा से राखियां मंगाई गई हैं। हालांकि जयपुर व मुंबई की राखियों की डिमांड ज्यादा देखी जा रही है। बच्चों के लिए बुलडोजर बाबा वाली राखियों की भी खूब बिक्री हो रही है। रक्षाबंधन पर बाजार चढ़ने से ग्राहक भी गदगद दिख रहे हैं।

शहीद स्मारकों पर पुलिस बैंड हर दिन करेगा राष्ट्रभक्ति गीतों का वादन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए डीएम प्रियंका निरंजन से जन सहयोग मांगा है। कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक 41 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं शहीद स्मारकों पर पुलिस बैंड हर दिन राष्ट्रभक्ति गीतों का वादन करेगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई सूची में अन्य कार्यक्रम बढ़वाना चाहता है या किसी कार्यक्रम से स्वयं के संस्थान अथवा प्रतिष्ठान को जोड़ना चाहता है तो सीडीओ या डीडीओ से संपर्क कर सकता है। उन्होंने कहा कि तिरंगा अभियान में सब सहयोग करें। यह सबका कार्यक्रम है। सीडीओ डॉ. राजेश प्रजापति ने बताया कि पुलिस बैंड सातों दिन शहीद स्मारकों पर राष्ट्रभक्ति गीतों का वादन करेगा। डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 11 अगस्त को झंडा गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसी दिन तमाम संगठनों की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा विद्यालयों में स्लोगन, चित्रकला, शहीद स्मारकों की सफाई

व राष्ट्रभक्ति गीतों का वादन और लखनऊ की अवधी लोकगायक वंदना मिश्रा का जीजीआईसी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 12 को समस्त विद्यालयों पर झंडा गीत, पुलिस मार्च पास्ट, कृषि विज्ञान केंद्र पर किसान सम्मेलन, जीजीआईसी सभागार में लोक गायक रंजना अग्रहरि का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 13 को स्कूलों में प्रभातफेरी, ब्लॉकों में पीआरडी जवानों द्वारा तिरंगा साइकिल यात्रा, मिशन शक्ति के तहत तिरंगा यात्रा, आंगनबाड़ी केंद्रों पर राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान का गायन, विद्यालयों में राष्ट्रभक्ति फिल्में दिखाना, सभी विद्यालयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व जीजीआईसी में संस्कृति विभाग के देवाशीष मौर्य का कार्यक्रम होगा।

संक्षिप्त खबरे

आकाशवाणी इलाहाबाद में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के बारे में परिचर्चा

i;kxjkt A माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इलाहाबाद श्री नलिन कुमार श्रीवास्तव के निर्देशानुसार आकाशवाणी इलाहाबाद में मंगलवार को दिनांक 13.8.2022 को आयोजित होने वाली लोक अदालत व आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में रेलवे मजिस्ट्रेट श्री उत्सव गौरव राज व प्रभारी सचिव डॉक्टर लकी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री आशीष चतुर्वेदी द्वारा किया गया। श्री उत्सव गौरव राज द्वारा लोक अदालत की सफलता हेतु विभिन्न प्रकार के आयामों के बारे में बताया गया व सुलह समझौते के आधार पर होने वाले मुकदमों के बारे में बताया गया। डॉक्टर लकी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम के बारे में चर्चा की गई और बताया गया कि दिनांक 13 से 15 अगस्त के मध्य आयोजित हर घर झंडा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में श्री नितिन श्रीवास्तव व पराविधिक स्वयंसेवक श्री अमलेश्वर पांडे उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर लकी द्वारा प्रदान की गई।

मोहर्रम के त्योहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न

i;kxjkt A मोहर्रम के त्योहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेष कुमार पाण्डेय ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मोहर्रम का त्योहार सकुशल सम्पन्न हुआ।

तीन वांछितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

बहराइच। एसएचओ रामसमुझ प्रभाकर ने बताया कि थाने के बेलभरिया निवासी बिन्जु, गुलाबी, मोहर्रम अली श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाना में रह रहे थे। इन तीनों वांछितों को गिरफ्तार कर जेल रवाना किया गया है। तीनों पर महिला को परेशान करने का आरोप था। बिन्जू पुत्र मोहर्रम अली अपनी पत्नी सावित्री देवी को प्रताड़ित करता था। उसी की तहरीर पर केस दर्ज किया गया था।

लंबीकूद में अजय अव्वल, आठ सौ मीटर दौड़ में विवेक ने मारी बाजी

बस्ती। युवा कल्याण विभाग की ओर से राघव रामबचन शिवा सरस्वती विद्यापीठ परिसर में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें लंबी कूद प्रतियोगिता में अजय प्रथम, शमशाद अली द्वितीय और विकास कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आठ सौ मीटर दौड़ में विवेक यादव प्रथम, रवि चौहान द्वितीय व अनिल यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रमुख अनिल दूबे ने किया। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता से बच्चों की प्रतिभाएं निखरकर सामने आएंगी। प्रतियोगिता के क्रम में सौ मीटर में रामबाबू प्रथम, सोनू द्वितीय व पतिराम को तृतीय स्थान मिला। तीन हजार मीटर दौड़ में अनिल यादव प्रथम, गौरव द्वितीय और विवेक कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में द यूथ क्लब प्रथम व ऑस्ट्रेलिया राजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक संवर्ग में हर्रैया के सतीश प्रथम, मसोढ़वा के दीपक द्वितीय और बैसिया कला के राम आशीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राधा ने प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किया।

विदेशी पिस्टल के साथ एक गिरफ्तार

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने विदेशी पिस्टल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्यालय के अनुसार शहर के एपीएनपीजी कॉलेज गेट के पीछे वाले ग्राउंड से आनन्द कुमार दूबे निवासी पकड़ी मिश्राइन थाना नगर को इंग्लैड मेड पिस्टल के साथ पकड़ा गया है। एक बाइक भी कब्जे में ली गई है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में रौता चौकी प्रभारी अरविन्द कुमार यादव, कांस्टेबल राकेश यादव, आदित्य सिंह शामिल रहे।

गरीब बच्चों की पढ़ाई का सपना साकार कर रही श्वेता

कानपुर। गरीब बच्चों की पढ़ाई का सपना साकार करने में जुटी स्वेता वर्मा अपने उछाल फाउंडेशन के तत्वावधान में सैकडों गरीब दुर्लभ बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है।

10वीं मुहर्रम पर हुआ छुरी का मातम, जुलुश निकाल ताजिये को कर्बला में किया दफन

सीतापुर। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक नए साल की शुरुआत मुहर्रम के महीने से होती है इसलिए मुहर्रम इस्लाम धर्म का पहला महीना होता है। मुहर्रम गम और मातम का महीना है, जिसे इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग मनाते हैं। आज मुहर्रम के 10वें दिन आज इमाम हुसैन की शहादत में आज छुरी का मातम मनाया गया और बीती रात आग का मातम भी मनाया गया। इस्लाम धर्म के लोगों के लिए ये महीना बहुत अहम होता है, क्योंकि इसी महीने में हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। हजरत इमाम हुसैन इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब के छोटे नवासे थे। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम के महीने के दसवें दिन को शिया समुदाय के लोग छूरी का मातम के तौर पर मनाते हैं, जिसे आशूरा भी कहा जाता है। आज मुहर्रम के 10वें दिन मुस्लिम समुदाय के लोगो

ने ताजिये को साथ लेकर जुलुश निकाला और फिर कर्बला में ताजिये को दफन कर दिया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच तजियेदारो ने बड़ी ही अकीदत के साथ गम जताया और आग और छुरी के मातम के साथ हुसैन को याद भी किया। इस्लाम धर्म की मान्यता के मुताबिक, हजरत इमाम हुसैन अपने 72 साथियों के साथ मुहर्रम माह के 10वें दिन कर्बला के मैदान में शहीद हो गए थे। उनकी शहादत और कुर्बानी के तौर पर इस दिन को याद किया जाता है। कहा जाता है कि इराक में यजीद नाम का जालिम बादशाह था, जो इंसानियत का दुश्मन था। यजीद को अल्लाह पर विश्वास नहीं था। यजीद चाहता था कि हजरत इमाम हुसैन भी उनके खेमे में शामिल हो जाएं। हालांकि इमाम साहब को यह मंजूर न था।

युवा प्रधान के नेतृत्व में ओटीएस विद्युत कैंप का हुआ आयोजन

पुखरायां कानपुर देहात। उ प्र शासन की जनहितकारी योजनाओं से पात्र ग्राम वासियों को लाभान्वित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ साथ जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए अपने गांव को उत्तम गांव बनाने की मंशा मन में पाले हुए युवा ग्राम प्रधान आशीष कुमार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने एवं ज्यादा से ज्यादा बकाया राजस्व की वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना एक माह के लिए लागू विद्युत विभाग के द्वारा योजना का जोर–शोर से प्रचार प्रसार कराते हुए गांवों में कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण इस योजना का लाभ उठा सकें। अधिशासी अभियंता कुलदीप यादव के निर्देशन व उपखंड अधिकारी राकेश सोनी के मार्गदर्शन में अवर अभियंता रामरूप बिंद व उनकी टीम के द्वारा विकास खंड अमरौधा के चकचालपुर गांव में एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत कैम्प का आयोजन किया गया।

12 से अधिक गांव जलमग्न, गांव के संपर्क मार्ग भी कटे

सीतापुर। नदियों के तटवर्ती क्षेत्र में घाघरा एवं शारदा नदियों के बाढ़ का पानी 12 से अधिक गांवों में घुस गया। जिससे गांव का संपर्क मार्ग कट गया। ग्रामीणों के बाहर आने–जाने का भी रास्ता बंद हो गया है। अब इन्हें नाव से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। करीब 1 हजार लोग फंसे हुए हैं। महिलाएं चारपाई और तख्त ऊंचा करके खाना बना रही हैं। मवेशियों के चारे के लिए भी जद्दोजहद करना पड़ रहा है। खेतों का कटान शुरू हो गया है। जिला प्रशासन बाढ़ पीड़ितों को हर संभव मदद पहुंचाने का दावा कर रहा है, लेकिन प्रशासन की मदद पीड़ितों के लिए महज एक दिखावा साबित हो रही है। रेउसा ब्लॉक के ग्राम गौलोक कोडर और परमेश्वर पुरवा के उमेश, दिनेश, संदीप, प्रदीप, रामनरेश, कमलेश, रामेश्वर, श्रीकेशन, मौजीलाल, फौजदार, रामलखन, मुंशी, रामचंद्र, सालिकराम सहित किसानों के खेत में दो दिनों से एक बीघा जमीन कट चुकी है। गौलोक कोडर के आसाराम पुरवा, संतरामपुरवा, दुर्गा पुरवा, संबारी पुरवा, सुकई पुरवा, निर्मल पुरवा, पुत्ती पुरवा, रामलालपुरवा, गार्गीपुरवा, परमेश्वर पुरवा, पासिन पुरवा, लोधपुरवा, जंगल टपरी सहित गांव में घाघरा नदी के बाढ़ का पानी ग्रामीणों के घरों में पहुंच गया है। परमेश्वर पुरवा के ग्रामीण रामचंद्र धीरा ने बताया कि नदियों का पानी घरों में भर गया है। जहरीले सांप और बिच्छुओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। बाढ़ क्षेत्र में रात्रि के समय उजाले को लेकर शासन–प्रशासन द्वारा कोई इंतजाम नहीं किये गए हैं। ग्रामीणों का कहना है, जिला प्रशासन के सभी इंतजाम सिर्फ कागजो पर ही दिखाई दे रहे हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण करीब 20 दिनों से परमेश्वर पुरवा, पासिन पुरवा और गार्गी पुरवा के गांवों मे घड़ियाल का खतरा बरकरार है। ग्रामीण अपने परिवार की सुरक्षा के लिए रात जागकर देखरेख कर रहे हैं।

परिषदीय स्कूलों की जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में बेहद संजीदगी से खेले बच्चे

कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के अंदर छुपी हुई विभिन्न प्रतिभाओं को निखारने के क्रम में जिलाधिकारी नेहा जैन के निर्देशन एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पांडेय के नेतश्त्व में जनपद में अनूठे एवं अभिनव प्रयोग के तहत पहली बार आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे बेहद संजीदगी के साथ खेलते व कॉन्वेंट के बच्चों को मात देते दिखाई दिए।अकबरपुर के ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में सम्पन्न सोमवार को एक दिवसीय जनपद स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में समस्त विकास खंडों से कुल 20 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक विकासखंड से 2 – 2 विद्यार्थियों ने उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। मलासा विकासखंड के बीईओ दिनेश त्रिपाठी व अकबरपुर बीईओ अजब सिंह ने दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शतरंज प्रतियोगिता का उद्देश्य आजादी के अमश्त महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में इंडोर गेम्स को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में संविलियन विद्यालय डेरापुर के छात्र लखन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा बालिका वर्ग में संविलियन विद्यालय डेरापुर की छात्रा तुलसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धी पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। इस मौके पर बीईओ दिनेश त्रिपाठी, बीईओ अजब सिंह, मान्यता प्राप्त पत्रकार अनूप सचान, अरविन्द सेंगर, नीतू कटियार, एआरपी आशीष द्विवेदी, एआरपी नवजोत सिंह, जयशंकर द्विवेदी, प्रीति त्यागी, रूपी त्रिपाठी, सुनीता सिंह, वी पी सिंह, गणेश एवं अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी योगी सरकार

लखनऊ। कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को यूपी की योगी सरकार सम्मानित करेगी। इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में यूपी के आठ खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रर्दशन करते हुए मेडल जीता। इन खिलाड़ियों को नगद इनाम के साथ अन्य सुविधाओं से भी सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि यूपी सरकार ने नई खेल नीति के तहत घोषणा की थी कि राज्य के खिलाड़ी जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतेगा उसे सम्मानित किया जाएगा। गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये, सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 75 लाख रुपये और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 50 लाख रुपये दिया जाएगा। इसके अलावा सभी खिलाड़ियों को नौकरी भी दी जाएगी। मेरठ की रहने वाली प्रियंका गोस्वामी ने 10 हजार मीटर पैदल चाल में सिल्वर

मेडल हासिल किया। वहीं वूमेन क्रिकेट टीम की खिलाड़ी दिप्ति शर्मा मेरठ की रहने वाली हैं वहीं मेघना सिंह बिजनौर की हैं। भारत ने वूमेन क्रिकेट में सिल्वर मेडल जीता था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम में वाराणसी के ललित उपाध्याय ने सिल्वर मेडल जीता। वाराणसी के जूडो विजय कुमार यादव और मुजफ्फरपुर की दिव्या काकरान ने फ्री स्टाइल कुश्ती में ब्रॉन्ज मेडल जीता, मेरठ की अन्नू रानी ने जेवलीन थ्रो और महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया ने भी ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के अलावा यूपी सरकार कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को भी 5–5 लाख रुपये देकर सम्मानित करेगी।

नदी के किनारे झाड़ी में मिला युवती का शव

बस्ती। जिले में मंगलवार सुबह कप्तानगंज थानाक्षेत्र के हड़ही गांव के पास मनोरमा नदी के किनारे करीब 26 वर्षीय निर्वस्त्र अवस्था में युवती का शव मिलने से हडकंप मच गया। बता दें, बरहटा ग्राम पंचायत के अंतर्गत हड़ही गांव के दक्षिण बाग के किनारे मनोरमा नदी में जब सुबह मछली पकड़ने वाले मछली पकड़ने गये, तो वहां पर युवती का शव देखा। यह जानकारी गांव के लोगों को दिया। जिससे गांव में चर्चा चलने लगी। इस को देखते हुए गांव के चौकीदर गिरजेश पांडेय ने इस की सूचना थाने पर दे दिया। मौके कप्तानगंज थाना प्रभारी सत्येंद्र कुंवर अपने पूरी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकवाया। मौके का जायजा ले कर थाना प्रभारी सत्येंद्र कुंवर ने बताया कि शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए जा रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त तक चलने वाले हरिशंकरी वृक्षारोपण अभियान का किया गया शुभारम्भ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

i;kxjkt A आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सोमवार को महामना मदन मोहन मालवीय पार्क (मिन्टोपार्क) में दिनांक 15 अगस्त, 2022 तक चलने वाले हरिशंकरी वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 ईश्वरशरण विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश रहे तथा अध्यक्षता मा0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय, पूर्व कुलपति, ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट ने किया।

महामना मदन मोहन मालवीय पार्क में प्रभागीय निदेशक श्री महावीर कौजलगी ने दोनों अतिथियों के द्वारा स्थानीय विद्यार्थियों, विभागीय कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा हरिशंकरी अभियान के प्रयागराज मण्डल के संयोजक श्रीमान् प्रभाशंकर पाण्डेय जी, पूर्व विधायक एवं सह संयोजक श्री उदित नारायण शुक्ल की सहभागिता

में हरिशंकरी पौधों का रोपण किया गया।

हरिशंकरी में 03 पौधों का एक साथ रोपण किया गया, जिसमें पीपल, बरगद एवं पाकड़ सम्मिलित हैं। हरिशंकरी पौधों का रोपण उत्सवपूर्वक वृक्षों के पूजन, गणेश वन्दना एवं मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न हुआ। पौधरोपण के समय तिरंगा झण्डा एवं भारत माता के जयकारे के साथ पौधरोपण किया गया। हरिशंकरी रोपण के पश्चात् मुख्य अतिथि ने सभी लोगों को हरिशंकरी पौध के महत्व के संदर्भ में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि तीनों पौधे तीन देव ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के स्वरूप में हैं। जब ये पौधे बड़े होंगे तब तीनों एक होकर एक वृक्ष बन जायेंगे।

प्रभागीय निदेशक श्री महावीर कौजलगी ने वृक्षों के महात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि तीनों पौधे निरन्तर आक्सीजन की आपूर्ति करते हैं तथा प्रदूषण को सोखते हैं, ये वृक्ष हमारे मित्र की तरह हैं। इनकी सदैव सुरक्षा करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मा0 के0बी0पाण्डेय ने कहा कि सभी वृक्षों एवं वनस्पतियों में औषधीय गुण पाये जाते हैं। कोई भी पौधा व्यर्थ का नहीं है। उन्होंने कहा कि फलदार वृक्ष हम अपने आने वाली पीढ़ी के लिये रोपण करते हैं, जबकि प्राणवायु वृक्ष या हरिशंकरी का रोपण हम करोड़ों जीव जन्तुओं के लिये करते हैं जिससे जैव विविधता का संरक्षण होता है। सभी जीवों को इन्हीं पौधों से भोजन एवं आश्रय प्राप्त होता है।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री गणेश केसरवानी ने भी महामना मदन मोहन मालवीय पार्क में एक हरिशंकरी पौध का रोपण किया। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं वृक्षों की सुरक्षा करने का अनुरोध किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।